संतों मत दीजो माताजी ने दोष ....

संतों मत दीजो माताजी ने दोष।
कर्मों री करनी न्यारी–न्यारी।।
संतों एक सेठ रे बेटा चार,
चारों री करणी न्यारी–न्यारी।
संतों पहलोड़ो राज दरबार, दूजोड़ो हीरो पारखी,
संतों तीजोड़ो खेती किसान, चौथोड़ो भिक्षा सूं पेट भरे।
संतो मत दीजो माताजी ने दोष...।।

संतों एक गाय रे बछड़ा चार,
चारों री करणी न्यारी–न्यारी।
संतों पहलोड़ो सूरज जी रो सांड, दूजोड़ो शिवजी रो नान्दियो,
संतों तीजोड़ो हलड़ो जोताय, चौथोड़ो घाणी रो बलदियो।
संतों मत दीजो माताजी ने दोष ....।।

संतों एक माटी रा बर्तन चार,
चारों री करणी न्यारी–न्यारी।
संतों पहलोड़ो दहिड़ा जमाव, दूजोड़ो दूध लावती,
संतों तीजोड़ो पिणयारी रे शीश, चौथोड़ो जंगल लोटियो।
संतो मत दीजो माताजी ने दोष ....।।

संतों एक बेल रे तुम्बा चार,
चारों री करणी न्यारी–न्यारी।
संतों पहलोड़ो जोगिड़े रे हाथ, दूजोड़ो गंगा नीर भरे,
संतों तीजोड़ो तंबू रे लार, चौथोड़ो भिक्षा मांग भरे।
संतो मत दीजो माताजी ने दोष ....।।